BA Part II (GEN/SUB)

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Assistant Professor (GT)
Department of Sociology
VSJ College RajNagar

Lecture I

वृद्धजनों की समस्या (Problems of Elderly) => भारतीय समाज में वृद्धजनों का काफी आदर व सम्मान किया जाता रहा है। परन्तु जैसे जैसे समाज का आधुनिकीकरण होता गया वृद्धजनों के सामने अनेक प्रकार की समस्याएँ उत्पन्न होने लगी। वृद्धावस्था एक ऐसी अवस्था है जिसमें व्यक्ति शारीरिक, आर्थिक व मानसिक रूप से कमजोर हो जाता है। समसामयिक परिप्रेक्ष्य में युवा वृद्धजनों को एक बोझ के रूप में समझने लगा है। वर्तमान समाज भौतिकवादी व व्यक्तिवादी समाज बनता जा रहा है जिसके फलस्वरूप वृद्धजनों के सामने अनेक तरह की समस्याएं खड़ी हो गयी है। भारतीय समाज में अनेक भिन्नता देखने को मिलती है जिसके फलस्वरूप वृद्धजनों की समस्याओं में भी भिन्नता देखने को मिलती है। वृद्धजनों की समस्या इस प्रकार है —

2020-7-17 11:02

1. उपेक्षा एवं प्रताड़ना => वृद्धों में उपेक्षा एवं प्रताड़ना की समस्या अत्यन्त गम्भीर है। अधिकांश परिवार में वृद्धों को उपेक्षा एवं प्रताड़ना की समस्या का सामना करना पड़ता है। वृद्धों की उपेक्षा के रूप में उनकी बातों को अनसुनी करना, विशेष विषय में उनसे परामर्श न लेना आदि उल्लेखनीय है। बेटों एवं बहुओं द्वारा वृद्धों का तिरस्कार करना उपेक्षा एवं प्रताड़ना की ही समस्या है।

2. मानसिक असुरक्षा => मानसिक असुरक्षा की भावना वृद्धों की एक प्रमुख समस्या है। अधिकांश परिवारों में परिवार के अन्य सदस्य अपने-अपने कामों में व्यस्त रहते हैं तथा घर से बाहर रहते हैं। वृद्धों को अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने आप पर निर्भर रहना पड़ता है, फलस्वरूप उनमें मानसिक तनाव एवं असुरक्षा की भावना पैदा होने लगती है। इस तनाव के कारण अपनी जिंदगी से वे हारा हुआ महसूस करने लगते हैं और सोचते हैं कि जल्द से जल्द मुक्ति इस शरीर से मुक्ति मिल जाए।

2020-7-17 11:02